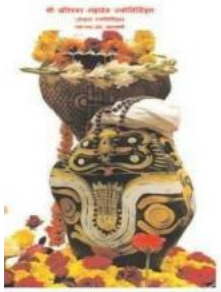

दैनिक
राष्ट्रीय प्रस्तावना
गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद, आजमगढ़, झाली, एटा, औरैया, अमेठी, बलरामपुर, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, जौनपुर, श्रावस्ती, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर, नोयडा सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 9 अंक 245 | लखनऊ, शनिवार, 28 मार्च, 2020 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2.00

भारतवर्ष में कोराना संक्रमण को रोकने में

21-दिन का लाक-डाउन कहाँ तक कारगर होगा : एक विश्लेषण

प्रोफ0 भरत राज सिंह
महानिदेशक, स्कूल आफ मैनेजमेन्ट साइंसेस,
व अध्यक्ष, वैदिक विज्ञान केन्द्र, लखनऊ-226501

पूरा विश्व कोराना संक्रमण की महामारी से इस समय जूझ रहा है, यद्यपि विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी देश भी अभी कोई वैकसीन नही बना पाये हैं । चीन के वुहान शहर में दिसंबर 2019 के मध्य से शुरू हुआ कोरोना वायरस (Corona Virus Disease - COVID-19), अब तक 170 से ज्यादा देशों में कोराना संक्रमण की संख्या 475,879 पहुंच गई है, जिनमें मुख्यत - थाईलैंड, ईरान, इटली, स्पेन, जापान, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी और संयुक्त अरब अमीरात आदि शामिल हैं 7 इसके संक्रमण से मरने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ रही है और वर्तमान में 26 मार्च तक 21,367 हो गई है, जबकि 22 मार्च तक यह संख्या 11,401 थी 7 सबसे अधिक मौते 25 मार्च तक इटली में 7503, स्पेन में 3647, चीन में 3287, इरान में 2077, फ्रांस में 1331, अमेरिका में 1036 तथा भारतवर्ष में 11 है। आजतक स्वस्थ हुये व्यक्तियो की संख्या 1,14.822 है । भारतवर्ष की आज 26 मार्च 2020 साय 7=00 बजे की स्थिति =कुल संक्रमित 712 जिसमे 59 नये जुडे, मृत संख्या 14, और स्वस्थ हुये व्यक्तियो की संख्या 45 ।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने इसे महामारी घोषित कर दिया है और इससे बचने के लिये सात (07) आसान स्टेप्स बताए हैं । जिनकी मदद से कोरोना वायरस को फैलने से रोका जा सकता है और खुद को भी इसके इंफेक्शन से बचाया जा सकता है । स्वा स्यसम मंत्रालय ने कोरोना वायरस से बचने के लिए जारी दिशानिर्देश के मुताबिक-

- हाथों को साबुन से धोना चाहिए ।
- अल्को हल आधारित हैंड रब का इस्ते माल भी किया जा सकता है ।
- खांसते और छीकते समय नाक और मुंह रूमाल या टिश्यू पेपर से ढककर रखें ।
- जिन व्यऔक्तियों में कोल्डम और फ्लू के लक्षण हों उनसे दूरी बनाकर रखें ।
- कोल्डी और फ्लू के लक्षण मिलने पर जाँच कराये ।
- अंडे और मांस के सेवन से बचें ।
- जंगली जानवरों के संपर्क में आने से बचें। ।

दुनिया भर की सरकारें कोरोना वायरस को लेकर लोगों को जागरूक करने पर ध्यान दे रही हैं 7 विशेषज्ञो का कहना है इस कोरोना संक्रमण को फैलने से रोककर ही इसे काबू में किया जा सकता है 7 इसके लक्षणों को पहचानकर ही कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्ति से दूरी बनाकर अथवा isolation centre में रखकर ही बेहतर तरीके से रोकथाम की जा सकती है7

ब्रिटिश के 71 वर्षीय राजकुमार चार्ल्स और डचेस कोरोना संक्रमित

जब विश्व कोराना की वैश्विक महामारी से भीषण रूप से जूझ रहा है, तब भारतवर्ष के प्रधान-मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने जनता कर्फू की सफलता और जन-मानस के भागीदारी को देखते हुये 24 मार्च से 21-दिन के लिये देश के सभी प्रदेशो में लाकङ्कडाउन को, कर्फू से अधिक मान्यता देते हुये, पालन करने की जनता से अपील की है । निस्चित ही यह मानवता की सुरक्षा के लिये तथा आपके परिवार व परिजनो के जीवन की सुरक्षा के लिये वरदान साबित होगा । विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने श्री नरेंद्र मोदी के इस कदम की सराहना की है । आइये इस उद्देश्य का पूर्ण समर्थ दे ।

आज जब सम्पूर्ण शिक्षण संस्थाये, सरकारी / गैर-सरकारी संस्थाये, कार्यालय तथा सभी यातायात सेवाये बंद कर दी गई है, लोगों को घरों तक सीमित कर दिया गया है, तो आवश्य वस्तुओ को मुहैया कराना, दैनिक कार्यरत मजदूरो के भरण पोषण, 21-दिन के लाकङ्कडाउन को पालन कराना सरकार के लिये एक बडी चुनौती है । छोटी सी चूक ने आज इटली, स्पेन, ईरान आदि को लाकःडाउन की घोषणा में देरी से उन्हे कोराना संक्रमण की महामारी के काल ग्रसित कर लिया है और उन्हे संक्रमणग्रस्त व्यक्तियों के मृत्यु दर को नियंत्रित करना कठिन हो गया है । स्पेन के प्रधान मंत्री हतासा की स्थिति से गुजर रहे है और केवल इस महामारी पर ईश्वर अथवा ब्रह्मांड से अपने देशवासियो को बचाने की प्रार्थना कर रहे है।

आज की इस विषम स्थिति भारत सरकार ने कई महत्वपूर्ण घोषणाये की है जिसमे मुख्यतः गरीबी रेखा से नीचे के परिवारो को 3-माह तक मुफ्त गैस सिलिडर, 35 किलो राशन, 2रु. प्रति किलोग्राम गेहू व 3रु. प्रति किलोग्राम चावल, रु.15,000 प्रतिमाह से कम वेतनभोगी को 3-माह तक ई.पी.एफ. का भुगतान (12त कर्मचारी व 12त न्योक्ता का शैयर) सरकार द्वारा किये जाने एंव रु.15,000 प्रतिमाह से अधिक के वेतनभोगी कर्मियो को जमा ई.पी.एफ. अथवा 3-माह के वेतन जोभी कम होगा, निकालने की सुविधा आदि प्रदान की गई है, जो स्वागत योग्य है । ऐसे समय में, कई स्वंयसेवी संस्थाये भी दिहाड़ी मजदूरो, रिक्सा चालको आदि के भरण-पोषण का जिम्मा उठा रखा है, यह देश प्रेम तथा मानवता के प्रति उनकी जिम्मेदारी दर्शाता है ।

आज जब हमारा देश 130 करोड़ की आवादी का देश है तो ऐसी विषम प्रस्थितियो में कठिनाई भी उतनी बड़ी है । इस समय जिस महामारी के समय से हम गुजर रहे है, सभी भारत के निवासियो का यह कर्तव्य व राष्ट्र धर्म है कि हम लाकङ्कडाउन के नियमों का पालन करें और लोगो को इसके कठोर ढंग से पालन करने हेतु प्रेरित करे । चुकि देश हमारा है, देश पर विपत्ति के पल में भी मजबूती से खड़ा होना हमारा धर्म है। मानवता जिंदा रहेगी तो सृष्टि भी चलती रहेगी । अतः हमारा कर्तव्य है कि हम लाकङ्कडाउन के नियमों का पालन करते हुये अपने को सुरक्षित रखे और किसी को भी जनता में भ्रामक स्थिति फैलाने न दे । मेरे विचार से सम्पूर्ण देश में एक साथ लाकङ्कडाउन लाना एक बहुत महत्व पूर्ण कदम है, जिसका स्वागत सभी को करना चाहिये ।